>

Title: Regarding reported violation of human rights in respect of Hindus in Pakistan, particulary in Sindh.

डॉ. मुरली मनोहर जोशी (वाराणसी): सभापति जी, कृपया करके आप सदन को ऑर्डर में लाइये। ...(व्यवधान) आप पहले हाउस को ऑर्डर में लाइये। ...(व्यवधान) बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है, जिस पर मुझे बोलना है। ...(व्यवधान) आप कृपया करके सदन को ऑर्डर में लाइये। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Sir, this is your time. You can speak, and only that will go on record.

...(*Interruptions*)

DR. MURLI MANOHAR JOSHI : But people will not be able to listen to what I am saying. Anyway, I am speaking. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Whatever you speak will go on record. The other things will not go on record. So, please speak.

...(*Interruptions*)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विÂाय को उठाने की अनुमति दी। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You are disturbing a senior Member. Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : सभापति जी, यह विÂाय बहुत गंभीर है और इस पर मैं सारे सदन और सरकार का ध्यान आकर्Âिात करना बहुत आवश्यक समझता हूं। हमारे पड़ोस पाकिस्तान में जिस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं, वे सम्पूर्ण मानवीय अधिकारों और सांस्कृतिक अधिकारों का घोर उल्लंघन हैं। ...(व्यवधान) It is complete violation of human rights and cultural rights in Pakistan. मुझे अफसोस है कि प्रधान मंत्री जी ने इन मामलों को, जब उनकी बात वहां के प्रधान मंत्री जी से हुई थी, तब नहीं उठाया। हमारे विदेश मंत्री ने भी इन मामलों को नहीं उठाया। आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान के सिंध प्रदेश में बलपूर्वक हिन्दू लड़कियों का अपहरण किया जा रहा है, उनका बलात् धर्मांतरण किया जा रहा है। कोर्ट के आदेश के बावजूद भी उनको संरक्षण नहीं दिया जा रहा है। अगर आप देखें, स्थिति ऐसी है, पुलिस रिकार्ड के मुताबिक हर महीने औसतन 25 लड़कियां इस प्रकार के दुर्भाग्य का शिकार हो रही हैं। आज सिंध में 90 प्रतिशत हिन्दुओं की संख्या रहती है। वहां नौजवान हिन्दू लड़कियो को चिन्हित करके उनका अपहरण किया जा रहा है। उनके साथ बलात्कार किया जा रहा है और उनका बलात् धर्मांतरण किया जा रहा है। उसके बाद जब कोर्ट उनको कोई राहत देती है, तब उनको धमकियां दी जाती हैं। उनके परिवारों को हर तरह से सताया जाता है। उनको हर तरह से धमकियों के आधार पर रोका जाता है। नतीजा यह हुआ कि हर महीने वहां से दस-बीस की संख्या में हिन्दुओं का पलायन हो रहा है। 400 से अधिक हिन्दू परिवार पिछले दस महीने में यहां आये हैं। दुर्भाग्य की बात है कि गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय इस मामले में बिल्कुल चुप हैं और इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे। जब मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स से सवाल किया गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह पाकिस्तान का आंतरिक मामला है। यह आंतरिक मामला नहीं है। यह मामला मानवीय अधिकारों का है। यह मामला सांस्कृतिक अधिकारों का है। अगर मानवीय अधिकारों का उल्लंघन है, धर्मांतरण की बलात् प्रक्रिया है और लोगों को अपने धर्म पालन की स्वतंत्रता नहीं है, तो यह सांस्कृतिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। हम हर बार कहते हैं कि पाकिस्तान के साथ हमारी वार्ता हो रही है, होनी चाहिए, हम अच्छे संबंध चाहते हैं। लेकिन इस कीमत पर कि अपने देश के पड़ोस में मानव अधिकारों का उल्लंघन होता रहे, और आप उन मामलों को अंतर्राÂट्रीय मंचों पर नहीं उठाते। आपने इन मामलों को अंतर्राÂट्रीय मानवाधिकार आयोगों के सामने नहीं उठाया, आपने कभी इन मामलों को पाकिस्तान की सरकार से नहीं उठाया और तारीफ यह है कि दिल्ली में लोगों को यह पता नहीं है, गृहमंत्री जी यहां सामने बैठे हैं, कि कितने परिवार यहां पाकिस्तान से शरणार्थी बनकर आए हैं। वे रिलीजियस परसिक्यूशन के आधार पर शरणार्थी बनकर आए हैं, इसलिए यह अंतर्राÂट्रीय मामला भी बनता है। ये वहां से केवल किसी तस्करी में भागकर नहीं आए हैं, ये अपने अधिकारों के संरक्षण के लिए, अपने धर्म को बचाने के लिए, अपनी संस्कृति को बचाने के लिए, वहां की सरकार के उत्पीड़न और अत्याचार के कारण आए हैं। यह याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान में थियोक्रेटिक स्टेट है, वह एक धार्मिक राज्य है, पांथिक राज्य है, इसलिए वहां माइनॉरिटीज के साथ इस प्रकार का अत्याचार हो रहा है, इसे हमें सहन नहीं करना चाहिए। हमारे देश में कितना प्रबल मानवाधिकार आयोग है, हम इन मामलों को यहां बर्दाश्त नहीं करते, लेकिन हमारे पड़ोस में यह हो रहा है और इस पर सरकार चुप है। वे लोग यहां आते हैं, तो कहते हैं कि हमें इस सरकार पर भरोसा था कि यह सरकार मानवाधिकारों की रक्षा करेगी, हमारे सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा करेगी, लेकिन यह सरकार हमको धोखा दे रही है। वे कहते हैं कि this Government has betrayed us. यह सरकार हमें धोखा दे चुकी है, हमारा संरक्षण नहीं करती। मैं जानना चाहता हूं ये घटनाएं कितने दिनों से अखबारों में आ रही हैं, क्या एक्शन लिया गया? गृहमंत्री जी ने क्या किया, विदेश मंत्री ने क्या किया, प्रधानमंत्री जी ने क्या किया? जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां आए थे, तो क्या उनके साथ इस मसले को उठाया गया? ये गंभीर प्रश्न हैं। हम अपने देश के लोगों को किस प्रकार का संदेश दे रहे हैं? हम दुनिया को क्या संदेश दे रहे हैं कि भारत दुनिया के अंदर सांस्कृतिक अधिकारों और मानवाधिकारों के लिए लड़ना नहीं चाहता है। हम हमेशा बोलते रहे हैं कि मानव अधिकारों का संरक्षण होना चाहिए, Cultural rights should be preserved and protected. लेकिन यह तो जबर्दस्त जेनोसाइड हो रहा है कल्चरल राइट्स का। लोगों को भगाया जा रहा है, क्योंकि उनका धर्म अलग है, क्योंकि उनकी संस्कृति अलग है और क्योंकि वे हिन्दू हैं। वे लोग आएंगे यहीं, कहीं और तो जा नहीं सकते। अरब सागर में जाएंगे नहीं, वहां से अफगानिस्तान में भी नहीं जाएंगे। भारत की सरकार का, भारत के विदेशमंत्री का, गृहमंत्री का, प्रधानमंत्री का क्या फर्ज है, इसका उत्तर आज देश जानना चाहता है। आप इन्हें क्या संरक्षण देंगे? क्या आप पाकिस्तान की सरकार से बात करेंगे कि वह इस प्रकार की घटनाओं को बंद करे? क्या आप इन मामलों को अंतर्राÂट्रीय मानवाधिकार आयोग में उठाएंगे और क्या आप इस देश की जनता को आश्वासन दे सकेंगे कि भारत में उत्पन्न हुए किसी धर्म के प्रति यदि इस प्रकार का अत्याचार होगा, तो सरकार उसका निÂाोध करेगी।

12.13 hrs.

At this stage, Shri Nama Nageshwara Rao and some other hon. Members went back to their seats.

12.13 Â¼ hrs

At this stage, Shri K. Chandrasekhar Rao and some other hon. Members went back to their seats.

मैं आपको ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जिस समय देश का विभाजन हुआ था, हमने ही कहा था कि हिन्दुओं को वहां रहना चाहिए, भारत की सरकार यहां मौजूद है। उस समय वहां 15 प्रतिशत हिन्दू थे, जिनकी संख्या आज घटकर दो प्रतिशत रह गयी है। यह क्या हो रहा है? इस प्रकार का जेनोसाइड, कल्चरल जेनोसाइड हम कब तक सहन करेंगे? हम जानना चाहते हैं कि केंद्र सरकार की इस पर क्या नीति है? क्या प्रोटेक्शन वह देना चाहती है इन परिवारों को और किस प्रकार से वह इन सांस्कृतिक अधिकारों के जेनोसाइड को रोकेगी। This genocide of cultural rights, an invasion of a particular religion and culture by a Government through a deliberate policy. क्या आप इसे स्वीकार करते हैं? क्या आप इसे मानेंगे, हम नहीं मानते हैं। इसलिए मैं मांग करता हूं प्रधानमंत्री जी से, विदेशमंत्री से और गृहमंत्री से कि इस समस्या के बारे में देश को आश्वस्त करें कि वे क्या कदम लेंगे और कब तक इन घटनाओं की पुनरावृति को रोक देंगे? इस पर हम आपका बयान चाहेंगे और यह चाहेंगे कि इस देश को और दुनिया भर के हिन्दुओं को आप इस बात का आश्वासन दें कि धार्मिक और सांस्कृतिक आधार पर अगर उनके साथ उत्पीड़न होगा, तो भारत की यह सरकार, भारत की जनता उनके साथ खड़ी होगी। यह कोई साप्रदायिक मामला नहीं है, लेकिन यह सांस्कृतिक और मानवाधिकारों का मामला है और इसको बचाने का कर्त्तव्य भारत जैसे देश का सबसे अधिक बनता है। मुझे अफसोस है कि सरकार इस मामले में चुप रही है, बैठी रही है, सोती रही है, शायद इसलिए कि ये अभागे हिन्दू हैं। क्या उनका यही अपराध है कि वे हिन्दू हैं? अगर ऐसा नहीं है, तो अभी तक आपने क्या किया और आगे आप क्या करना चाहते हैं, इसका बयान आप इस सदन में दें।...(व्यवधान)

सभापति महोदय :

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्रीमती पूनम वेलजीभाई जाट,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र,

श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री भर्तृहरि महताब,

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री शिवराम गौड़डा,

श्री रमेश विश्वनाथ काट्टी,

श्री ए.टी. नाना पाटील,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

श्री रमेन डेका,

श्री आनंदराव अडसुल एवं

डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी स्वयं को डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा शून्य काल में उठाए गए विÂाय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): यह बहुत गंभीर मामला है। वहां से एक मिनिस्टर भागकर आ गए, एक मिनिस्टर वहां से छोड़कर आ गए, वहां हमारी बहन-बेटियों की इज्जत सलामत नहीं है।...(व्यवधान) सिंध प्रांत का हिन्दू सुरक्षित नहीं है।...(व्यवधान) हमारी बहन-बेटियों की इज्जत...(व्यवधान) हिन्दू का कोई नहीं है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please take your seats.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You will be allowed to speak. You will be give time to speak. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: The matter has been raised in the House very effectively by Shri Joshi Ji. Please take your seats.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : The matter has already been raised. Those who want to associate, they can send the slips. Harin Pathak Ji, send your name if you want to associate. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: There is a very important issue. I am now calling Mr. Ramen Deka.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): The anguish expressed by hon. Members, I think, requires a detailed statement after consulting the Prime Minister and the External Affairs Minister. The Government will make a Statement.